

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : प्रथम

कोर्स-कोड : AEC010702

कोर्स का नाम : हिन्दी काव्य-धारा

कोर्स-लेवल : 100-199

कुल अंक : 50

बाह्य परीक्षण : 30

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	(क) आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिन्दी काव्यधारा का सामान्य परिचय (ख) हिन्दी काव्य सुधा – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि. निर्धारित पाठ : पदावली-- 1, 6 (विद्यापति), साखी- 1-5 (कबीरदास), भ्रमरगीत (सूरदास), पद-- 1,2,3 (मीराबाई), केवट प्रसंग (तुलसीदास), दोहे- 1-5 (बिहारीलाल), कवित्त- 1, 2, 3 (घनानन्द)	15	25 (15+10)
2	1	(क) आधुनिक हिन्दी काव्य-धारा का संक्षिप्त परिचय (ख) हिन्दी काव्य सुधा – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि. निर्धारित पाठ : निज भाषा उन्नति (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), चित्रकूट में सीता (मैथिलीशरण गुप्त), पुष्प की अभिलाषा (माखनलाल चतुर्वेदी), अशोक की चिन्ता (जयशंकर प्रसाद), तोड़ती पत्थर (सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'), मेरे दीपक (महादेवी वर्मा), उधार (अज्ञेय), टूटा पहिया (धर्मवीर भारती), कुत्ता (धूमिल)	15	25 (15+10)

द्रष्टव्य : इकाई 1 (क) एवं 2 (क) से केवल अतिलघु एवं लघु-उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
3. विद्यापति – डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा॰), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर।
4. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. सूर और उनका साहित्य – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
6. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली।
7. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. घनानन्द : काव्य और आलोचना – डॉ॰ किशोरीलाल, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
10. भारतेन्दु : एक नयी दृष्टि – लहरी राम मीणा, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
12. माखनलाल चतुर्वेदी : काव्य एवं दर्शन – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
13. महादेवी का नया मूल्यांकन – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. प्रसाद-निराला-अज्ञेय – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. धर्मवीर भारती की काव्य-साधना – डॉ॰ मंजूषा श्रीवास्तव, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद।

- पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- स्नातक-गुण :

कोर्स का लक्ष्य : विद्यार्थियों को हिन्दी काव्य-धारा के आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन एवं आधुनिककालीन कवियों की चुनी हुई रचनाओं का रसास्वादन कराना तथा मैथिली, सधुक्कड़ी, ब्रज, राजस्थानी, अवधी और खड़ीबोली हिन्दी के व्यावहारिक रूपों से परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

शिक्षण-उपलब्धि : हिन्दी काव्य-धारा से संबंधित प्रस्तुत योग्यतावर्धक पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, जिससे कि विद्यार्थियों को सहस्राधिक वर्षों की हिन्दी काव्य-धारा की सामान्य जानकारी प्राप्त हो। इसके अलावा चयनित रचनाओं के पठन-पाठन के जरिए काव्य-रस एवं आधुनिक युगबोध तथा हिन्दी भाषा के साहित्यिक स्वरूपों से वे परिचित हों और इन बातों से उनलोगों की व्यावहारिक योग्यता में भी अपेक्षित वृद्धि घटित हो सके।

- सैद्धान्तिक क्रेडिट : 2
- व्यावहारिक क्रेडिट : 0
- आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 30

प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 30

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

• पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :

नाम : डॉ॰ अच्युत शर्मा

संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

ईमेल : sarmaachyut291058@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : पंचम

कोर्स-कोड : AEC050702

कोर्स का नाम : हिन्दी कथा साहित्य

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 50

बाह्य परीक्षण : 30

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	(क) कहानी : परिभाषा, तत्व ; हिन्दी कहानी साहित्य के उद्भव और विकास की सामान्य जानकारी (ख) हिन्दी कहानी वीथिका – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौहाटी विश्वविद्यालय निर्धारित पाठ : दुलाईवाली (बंगमहिला), कजाकी (प्रेमचन्द), सत्य का मूल्य (यशपाल), जयदोल (अज्ञेय), ठेस (फणीश्वरनाथ 'रेणु'), आत्मा की आवाज (कमलेश्वर)	15	25 (15+10)
2	1	(क) उपन्यास : परिभाषा, तत्व; हिन्दी उपन्यास साहित्य के उद्भव और विकास की सामान्य जानकारी (ख) धरती धन न अपना : जगदीश चन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	15	25 (15+10)

द्रष्टव्य : इकाई 1 (क) और इकाई 2 (क) से केवल अतिलघु एवं लघु-उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. आधुनिक हिन्दी कहानी – डॉ० लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान– शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. यशपाल का कहानी-संसार : एक अंतरंग परिचय– सी.एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. कहानीकार अज्ञेय : सन्दर्भ और प्रकृति – डॉ० चन्द्रभानु सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
7. रेणु का कथा साहित्य – डॉ० सुरेश चन्द्र महरोत्रा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
8. कहानीकार कमलेश्वर : सन्दर्भ और प्रकृति – सूर्यनारायण रणसुभे, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
9. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा -- डॉ० रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
10. जगदीश चन्द्र : एक यथार्थनिष्ठ उपन्यासकार – डॉ० नवरूपा भट्टाचार्य, आनन्द प्रकाशन ।

- पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- स्नातक-गुण :

कोर्स का लक्ष्य : विद्यार्थियों को हिन्दी कथा साहित्य के अंतर्गत कहानी एवं उपन्यास साहित्य की सामान्य जानकारी देते हुए चुनिन्दा छः मनोरम कहानियों तथा एक लोकप्रिय उपन्यास में निहित जीवन-बोध से परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।

शिक्षण-उपलब्धि : हिन्दी कथा साहित्य से संबंधित प्रस्तुत योग्यतावर्धक पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को शताधिक वर्षों के समृद्ध हिन्दी कथा साहित्य की चुनी हुई रचनाओं के पठन-पाठन के जरिये कथा-रस, जीवनानुभव एवं हिन्दी गद्य साहित्य का सम्यक् परिचय प्राप्त हो एवं इन बातों से विद्यार्थियों की व्यावहारिक योग्यता में भी अपेक्षित विकास संघटित हो सके ।

- सैद्धान्तिक क्रेडिट : 2
- व्यावहारिक क्रेडिट : 0
- आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 30
प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 30
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :
नाम : डॉ० रीतामणि वैश्य
संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
ईमेल : rita1@gauhati.ac.in

